

गडहिंग्लज

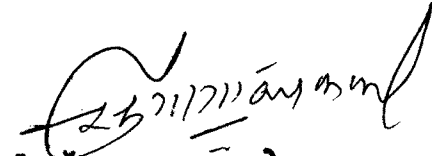
नवंबर १९९२

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री प्रेमा गाडवीजी ने एम्. फिल. उपाधि के हेतु "साहिरका" (१९८९) में प्रकाशित कहानियों में नारी - चित्रण" विषय पर मेरे निर्देशन में काम किया है। आपकी शोध पद्धति एवं लेखन - विधि से मैं आद्योपांत परिचित हूँ।

मेरी संस्तुति है कि प्रस्तुत प्रबंधिका एम्. फिल. उपाधि के हेतु प्रस्तुत की जाए।

डॉ. सुधाकर गोकाकर,
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
शिवराज महाविद्यालय,
गडहिंग्लज - ४१६५०२
[जि.कोल्हापुर - महाराष्ट्र राज्य]


[डॉ. सुधाकर गोकाकर]



क. प्रेमा विश्वनाथ गाडवी

का अपना एक अलग अध्ययन हो सकता है। इसलिए "सारिका" को ही चुना गया है।

"सारिका" सन् १९८९ में प्रकाशित कहानियों में नारी - चित्रण - मेरे इस एम्. फिल के विषय में कुलमिलाकर छः अध्याय, अध्याय है।

पहले अध्याय में नारी - चित्रण के विविध स्मों की चर्चा की है। संभवतः नारी के जो प्रमुख रूप हैं [जैसे - माता, बहन, प्रेमिका, पत्नी] उन स्मों का विस्तार से चित्रण किया गया है।

"हिन्दी कहानी में नारी - चित्रण" इस - दूसरे अध्याय में इसे परखने का प्रयास किया गया है कि आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक हिंदी कहानी के नारी - चित्रण में किस प्रकार बदलाव होते गये।

१९८९ की "सारिका" में प्रकाशित मौलिक कहानियों में चित्रित नारी-समस्या के विभिन्न स्मोंका विश्लेषण - इस तीसरे अध्याय में किया गया है।

"सारिका" १९८९ में नारी पर लिखी गयी कुलमिलाकर सत्रह कहानियों का विश्लेषण और उन सत्रह कहानियों की आलोचना की है। स्वातंत्र्योत्तर

स्वातंत्र्योत्तर कहानियों में नारी - चित्रण और "सारिका" सन् १९८९ ई. की कहानियों में प्रस्तुत नारी - चित्रण की तुलना - इस चौथे अध्याय में ६० के पूर्व और साठोत्तरी कहानियों में और "सारिका" सन् १९८९ में चित्रित नारी-चित्रण की विस्तार से तुलना की है।

आलोच्य - काल की कहानियों में नारी चित्रण की विशेषताएँ - इस पाँचवें अध्याय में हर कहानी की नवीनता और इसकी विशेषताओं का संक्षिप्त में चित्रण किया गया है।

उपसंहार - इस छठे अध्याय में आलोच्य - काल की हर कहानी को चित्रित करने में लेखकों का उद्देश्य और उनकी दृष्टि - व्यापकता का चित्रण किया गया है।

**** अनुक्रमिका ****

	पृ.क्र.
१. नारी के विविध रूप	१
२. हिन्दी कहानी में नारी - चित्रण	११
३. १९८९ की "सारिका" में प्रकाशित मौलिक कहानियों में नारी - समस्या के विभिन्न स्मों का क्लिषण	२३
४. स्वातंत्र्योत्तर कहानियों में नारी - चित्रण और "सारिका" सन् १९८९ ई. की कहानियों में प्रस्तुत नारी - चित्रण की तुलना	७३
५. आलोच्य - काल की कहानियों में नारी - चित्रण की क्लिषताएं	१०९
६. उपसंहार	१२२
७. संदर्भ - ग्रंथ - सूची	१२६
